श्री संजयराव भार्गव, सर

नमस्कार

सर आपने मेरे गावके लीये जो काम किया, इसमे कुछ बाधाये आई, इस वजहसे आपको तकलीफे भी हुई, इसके लीये मै गावकी तरफसे आपसे माफी च्याहता हुं। सर यह तो आपका रुटीन काम है, पर मेरे लीये, यह एक सपना था, जो सन 2016 मे देखा था। एक सपना था मंदीर बनाने का, इसमे भी बाधाये आयी थी, पर वह इसी प्रकारसे काम पूरा हुआ, इसके लीये सन 2002, 2003 और 2005 तिन साल लगे।

यह दोनो काम मेरे लीय बहुत भाग्य की बात है, यह दोनो घटनाये जिवन के अंतीम समय मे याद आयेगी और याद आयेंगे भार्गव सर भी। आपके आभार शब्द मे व्यक्त नही कर सकता।

बहुत, बहुत धन्यवाद

दि. 07/9/2024

मधुकर नाकोड़े, परसोडा